BA-III
मैथिली प्रतिष्ठा
पत्र - पाँच
व्याख्यान -

प्रो० रंजीत कुमार राम
(अतिथि व्याख्याता) (G/TP)
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (Bihar)

मैथिली साहित्यक इतिहास
(आधुनिक काल)

Topic : सुरेन्द्र झा 'सुमन'क महाकाव्य दत्तवती

आचार्य सुरेन्द्र झा 'सुमन' रचित 'दत्तवती' मैथिली साहित्यक उत्कृष्ट कोटिक महाकाव्य थिक। पच्चीस सर्गमे निबद्ध एहि महाकाव्यमे लक्षणग्रन्थानुकूलें समस्त नियमक पालन कयल गेल अछि। आरम्भमे ईश प्रार्थना, सर्गारम्भमे विविध छन्दक प्रयोग। पहिल बेर लेखक एक परीक्षाकें महाकाव्य ऊँचाइधरि उठौलनि अछि। अपन कल्पनाक बलपर उधारक कथामे ओ नव स्वरूप विचार कयलनि अछि। अवधराजकुमार मृगांकदत्त आ अवन्ति राजकुमारी शशांकवतीक रूमानी प्रेमकथाक चतुरतापूर्ण उपयोग करैत ओकरा मालव गणतन्त्रक वीरतापूर्ण निर्माणसँ अन्तर्ग्रथित कय देल गेल अछि। कथाक ई सम्मिश्रण कलात्मक पूर्णताक संग बड़ स्वच्छतासँ पंचसन्धिमे विनिर्मित अछि। जेनाकि नामहिसँ स्पष्ट अछि विभीति (विकृता भीतिः यस्य), पतित सृष्टिक लोक नायकक मुख्य प्रतिद्वन्द्वी थिक जे सदति

अंड़गा लगौने ठाढ़ रहैत छथि। अवधक राजा अमरदत्त नामक मात्र शासक छथि आ हुनक पुत्र प्रधानमन्त्री विमाति सत्ता हथिया अपन बेटा विधुतिकेँ गद्दीपर बैसाबय लेल आकाश-पताल एक कैने छथि। नायक, नायिका भूमिका ततेक प्रभावशाली अछि जे शीर्षक दत्तवती मृगांकदत्तक दत्त आ शशांकवतीक 'वती' सँ निर्मित भेल अछि। वीर महाकाव्यक अंगी रस थिक, प्रेम सहित अपन सब रूप-रंगमे एकर सहयोगी अछि आ अन्तिम अंशमे शान्तिक शान्तक समावेश अछि। शाश्वत मानव-मूल्यक संग सुदृढ़ भारतक निर्माण करब महाकाव्यक संदेश थिक। महाकाव्यक चित्रफलक सर्वव्यापी अछि। युद्ध आ शान्तिक प्रचलन प्रश्न, सैनीय आ आंचलिक अखण्डता, संस्कृति आ विचार धाराक मतभेद, हिंसा आ आतंकवाद सबकेँ एहि सर्वश्रेष्ठ महाकाव्यमे चित्रण भेल अछि। नायक अपन दश युवा सहपाठीक संग देशक चतुर्दिक भ्रमण कयलनि अछि जे भरत बहुविध परिदृश्यक सिंहावलोकन करबैत अछि। राष्ट्रनिर्माणक केन्द्रित अपन भाषणक संग दमोदरपर विकास कविक छाया प्रतिबिम्बित अछि। नारीक प्रति कविक दृष्टि स्वस्थ छनि। ओ पुरुषक समान भागीदार थिकीह आ जीवनक प्रत्येक क्षेत्रमे अपन भूमिका निमाहैत छथि। शत्रुक विरुद्ध ओ पुरुष-नारीक सम्मिलित मोर्चा तैयार कयलनि अछि। नायिका वीरांगनाक भूमिकाक निर्वहण करैत छथि आ जीवनक सब आपदाक घड़ीमे ओ नायकक सब थामैत छथि। पर्व-त्योहार आ तीर्थव्रत, सामाजिक अधिकार ओ कर्तव्य राष्ट्रीय आ अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध आदिक ग्रन्थक प्रमुख आकर्षण थिक।

Samjit Kumar

Scanned by TapScanner